TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

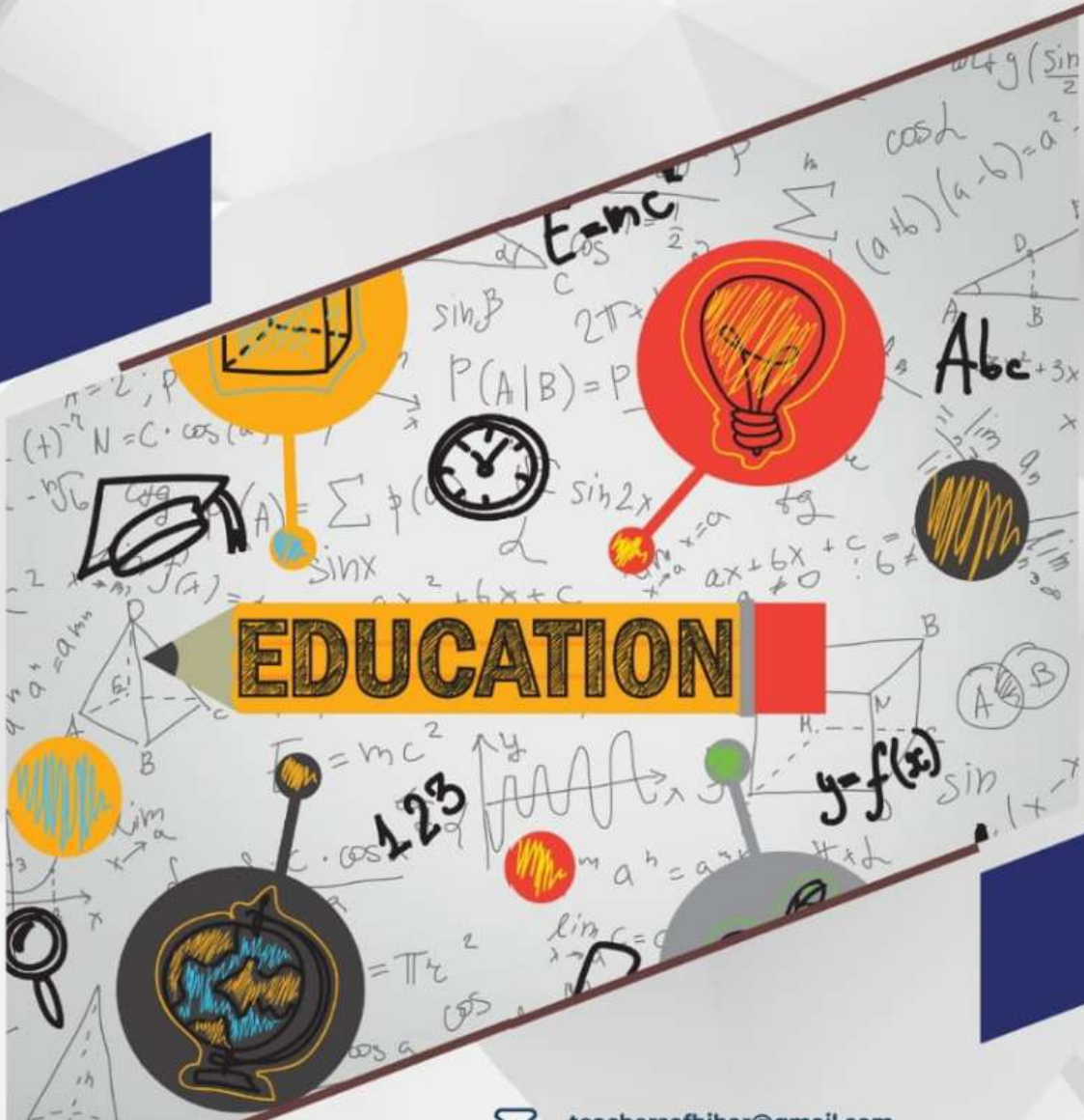

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

26 मार्च 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

सौभाग्य उन्हीं को प्राप्त होता है, जो अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हैं।

प्रेमचंद

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

26 मार्च

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, बुधवार 26 मार्च 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"मनुष्य को सिर्फ दो महान आध्यात्मिक चीजों की आवश्यकता होती है। पहला, दूसरों की गलतियों को भूलना और दूसरा, अपने अन्दर अच्छाई लाना।"

"Humans need only two great spiritual things. First, to forget the mistakes of others and second, to bring inner goodness."

DIWAS GYAN

1. **पोलियो के टीके की खोज** – डॉ. जॉन्स साल्क ने पोलियो के उपचार के लिए एक सफल परीक्षण कर 'पोलियो के टीके' की घोषणा 26 मार्च, 1953 ई. को किया था।
   - संदर्भ: विज्ञान भाग 3, अध्याय 7 सुक्ष्मजीवों का संसार

2. **अग्निशामक यंत्र का अविष्कार** – 26 मार्च, 1872 ई. को आधुनिक अग्निशामक यंत्र के अविष्कार के लिए थॉमस जे. मार्टिन को पेटेंट प्रदान किया गया।
   - संदर्भ: विज्ञान भाग 3, अध्याय 1 दहन और ज्वाला

3. **हैण्डीप्लास्ट का अविष्कार** – 26 मार्च, 1845 ई. को विलियम एच. सेगट को 'चिपकने वाले चिकित्सकीय प्लास्टर बैंड' (बैण्डेज) के अविष्कार के लिए पेटेंट प्रदान किया गया।

4. **महादेवी वर्मा का जन्म** – हिन्दी की मशहुर कवयित्री महादेवी वर्मा का जन्म उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद नगर में हुआ था। माता से महाभारत और रामायण की कथाएं सुनते रहने के कारण बचपन से ही महादेवी वर्मा के मन में साहित्य के प्रति आकर्षण हो गया। भारत सरकार ने महादेवी वर्मा जी को पद्म भूषण से अलंकृत किया है। महादेवी वर्मा की प्रसिद्ध काव्य रचनाएं है– यामा, नीरजा, रश्मि, नीहार आदि।
   - संदर्भ: किसलय भाग 2, अध्याय 17 सोना (रेखाचित्र)

5. **चिपको आंदोलन** – 26 मार्च, 1974 को उत्तराखंड के रेनी नामक छोटे से गांव में गौरा देवी के नेतृत्व में महिलाओं का एक समूह तीन दिन और तीन रात जंगल में पेड़ों से चिपककर खड़ा रहा और इस प्रतिरोध के द्वारा पेड़ों को काटने से बचाया गया। गांव के सभी पुरूष काम करने नजदीक स्थित चमोली गए हुए थे, इसी बात का फायदा उठाकर पेड़ों को काटने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। लेकिन गौरा देवी ने इन लोगों के इरादों पर पानी फेर दिया। उन्होंने बहादुरी का परिचय देते हुए कहा कि हमने इन पेड़ों को गले लगाया हुआ है। अगर वे इन पेड़ों को काटना चाहते हैं तो पहले कुल्हाड़ी उन महिलाओं के शरीर पर चलना चाहिए। यह सुनकर पेड़ काटने वाले लोग पीछे हट गये और गौरा देवी का नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया।

6. **बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस**– 26 मार्च को बांग्लादेश अपनी स्वतंत्रता दिवस मनाता है। शेख मुजीबुर्रहमान ने इसी दिन पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश के रूप में स्वतंत्र घोषित किया था जिसके कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसी के साथ 'मुक्ति युद्ध' शुरू हुआ जो 16 दिसम्बर, 1971 ई. को विजय के साथ समाप्त हुआ। बाद में वे बांग्लादेश के प्रथम राष्ट्रपति और बाद में प्रधानमंत्री भी बने।

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

26 मार्च

मधु प्रिया

महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च

महादेवी वर्मा का जन्म 26 मार्च 1907 को फ़र्रुख़ाबाद उत्तर प्रदेश, भारत में हुआ। उनके परिवार में लगभग 200 वर्षों या सात पीढ़ियों के बाद पहली बार पुत्री का जन्म हुआ था। इसलिये इन्हें घर की देवी महादेवी मानते हुए पुत्री का नाम महादेवी रखा। उनके पिता श्री गोविंद प्रसाद वर्मा भागलपुर के एक कॉलेज में प्राध्यापक थे। उनकी माता का नाम हेमरानी देवी था। महादेवी वर्मा के मानस बंधुओं में सुमित्रानन्दन पन्त एवं निराला का नाम लिया जा सकता है, जो उनसे जीवन पर्यन्त राखी बँधवाते रहे। निराला जी से उनकी अत्यधिक निकटता थी,उनकी पुष्ट कलाइयों में महादेवी जी लगभग चालीस वर्षों तक राखी बाँधती रहीं।महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की कवयित्री थीं। वे हिन्दी साहित्य में छायावादी युग के चार प्रमुख स्तम्भों में से एक मानी जाती हैं।आधुनिक हिन्दी की सबसे सशक्त कवयित्रियों में से एक होने के कारण उन्हें आधुनिक मीरा के नाम से भी जाना जाता है।कवि निराला ने उन्हें "हिन्दी के विशाल मन्दिर की सरस्वती" भी कहा है।महादेवी ने स्वतन्त्रता के पहले का भारत भी देखा और उसके बाद का भी। वे उन कवियों में से एक हैं जिन्होंने व्यापक समाज में काम करते हुए भारत के भीतर विद्यमान हाहाकार, रुदन को देखा, परखा और करुण होकर अन्धकार को दूर करने वाली दृष्टि देने की कोशिश की। न केवल उनका काव्य बल्कि उनके सामाजसुधार के कार्य और महिलाओं के प्रति चेतना भावना भी इस दृष्टि से प्रभावित रहे। उन्होंने मन की पीड़ा को इतने स्नेह और श्रृंगार से सजाया कि दीपशिखा में वह जन-जन की पीड़ा के रूप में स्थापित हुई और उसने केवल पाठकों को ही नहीं समीक्षकों को भी गहराई तक प्रभावित किया।महादेवी वर्मा के मुख्य कविता संग्रह हैं-नीहार रश्मि , नीरजा , सांध्यगीत, दीपशिखा , सप्तपर्णा , प्रथम आयाम , अग्निरेखा । महादेवी वर्मा का निधन 22 सितम्बर, 1987, को प्रयाग में हुआ । महादेवी वर्मा ने निरीह व्यक्तियों की सेवा करने का व्रत ले रखा था। वे बहुधा निकटवर्ती ग्रामीण अंचलों में जाकर ग्रामीण भाई-बहनों की सेवा सुश्रुषा तथा दवा निःशुल्क देने में निरत रहती थी। वास्तव में वे निज नाम के अनुरूप ममतामयी, महीयसी महादेवी थी। भारतीय संस्कृति तथा भारतीय जीवन दर्शन को आत्मसात किया था।

जयंती विशेष 26 मार्च

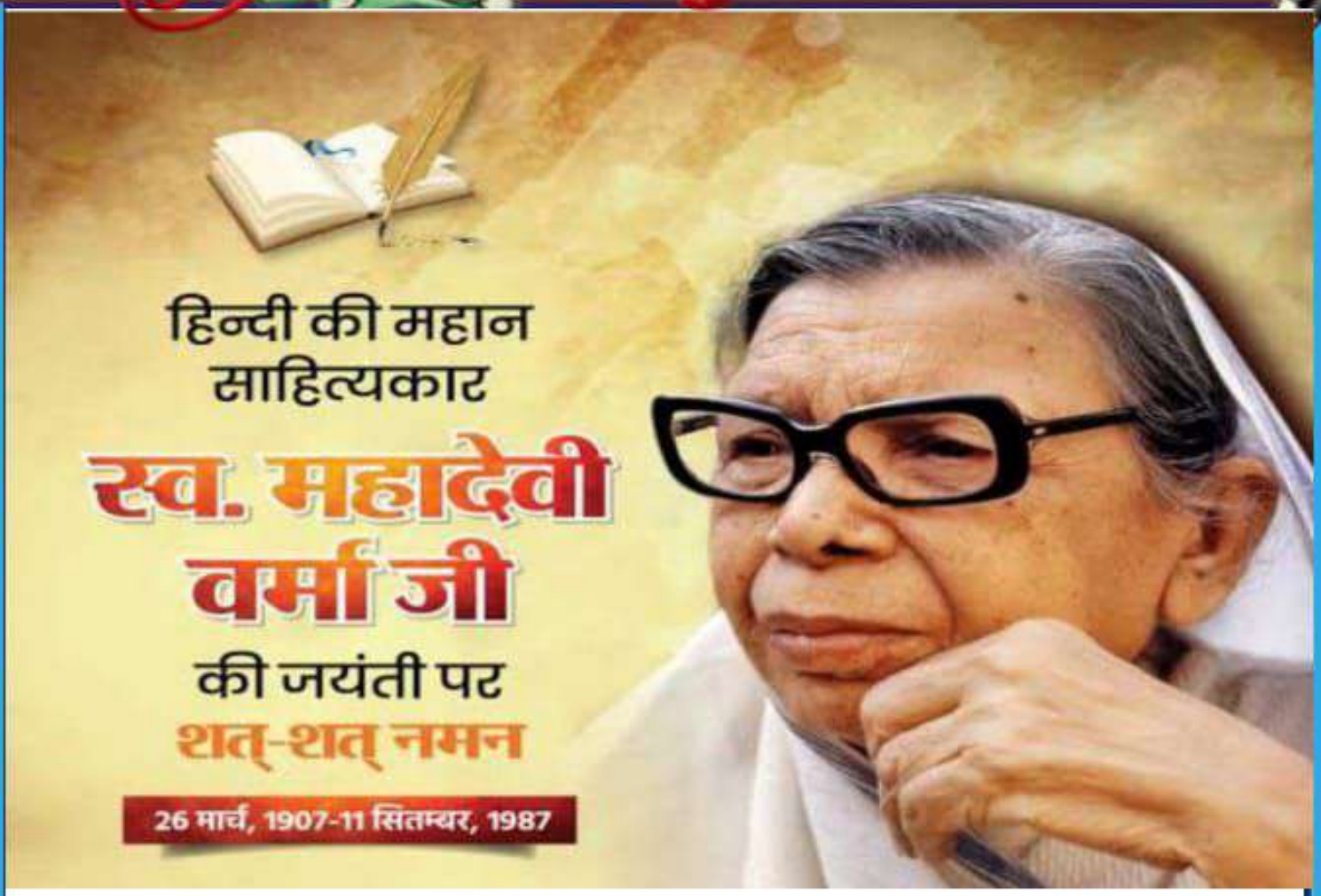

महादेवी वर्मा *Mahadevi Verma*, जन्म: 26 मार्च, 1907, फ़र्रुख़ाबाद; मृत्यु: 11 सितम्बर, 1987, प्रयाग) हिन्दी भाषा की प्रख्यात कवयित्री हैं। महादेवी वर्मा की गिनती हिन्दी कविता के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभ सुमित्रानन्दन पन्त, जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के साथ की जाती है। आधुनिक हिन्दी कविता में महादेवी वर्मा एक महत्त्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरीं।

 राकेश कुमार

TOB
खेल कॉर्नर

IPL के हाईएस्ट टोटल

	टीम	रन/विकेट	खिलाफ	साल
1	SRH	287/3	RCB	2024
2	SRH	286/6	RR	2025
3	SRH	277/3	MI	2024
4	KKR	272/7	DC	2024
5	SRH	266/7	DC	2024
6	RCB	263/5	PWI	2013
7	RCB	262/7	SRH	2024
8	PBKS	262/2	KKR	2024
9	KKR	261/6	PBKS	2024

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **26.03.2025**

सकारात्मक शिक्षा

सकारात्मक शिक्षा, शिक्षा का एक ऐसा दृष्टिकोण है जो छात्रों की भलाई, खुशहाली और सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करता है, न कि केवल ज्ञान और कौशल पर. यह छात्रों को अपनी ताकत पहचानने, लचीलापन विकसित करने और सकारात्मक रिश्तों को बढ़ावा देने में मदद करता है।

Teachers of Bihar

आओं सीखें

अवसर(Opportunity)

कोई खास, महत्वपूर्ण या योजनाबद्ध परिस्थिति जो सफलता पाने में सहायक होती है। अवसर का प्रभाव दीर्घकालिक (लबे समय तक) हो सकता है। जैसे :

- हमें अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर मिला।
- सरकारी नौकरी के अवसर बहुत कम आते हैं

VS

मौका(chance)

कोई अचानक या अनियोजित रूप से मिलने वाली परिस्थिति, जिसे लाभ उठाने के लिए सतर्क रहना पड़ता है। मौका क्षणिक (अल्पकालिक) हो सकता है। जैसे :

- आज दोस्तों से मिलने का अच्छा मौका मिला।
- यदि तुम्हें अपनी गलती सुधारने का मौका मिले, तो मत गंवाना।

संक्षेप में :-

- अवसर : बड़ी और योजनाबद्ध संभावनाओं के लिए प्रयोग होता है।
- मौका : संयोगवश या आकस्मिक रूप से मिलने वाली परिस्थिति के लिए इस्तेमाल होता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

हमारी आँखो का कलर 'melalin' पर निर्भर करता है नीली आँखों वाले लोगों में ज्यादा मेलालिन पाया जाता है

ToB बूझो तो जानें..

बिहार दिवस विशेष

बिहार के राज्यपाल कौन है... बुझो तो जानें... ?

संजय कुमार

www.teachersofbihar.org

ToB Photo of the day

प्रा०वि० बड़की बलियारी, बिक्रम, पटना

प्रा० वि०वागेश्वरी हवेली खड़गपुर, मुंगेर

म०वि०शकहरा टोला, बरियारपुर, मुंगेर

०उच्च०मा ०वि०सैनो, भागलपुर

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद

वे मुस्कुराते फूल नहीं,जिनको आता है मुरझाना
वे तारों के दीप नहीं, जिनको आता है बुझ जाना।

'आधुनिक मीरा'

महादेवी वर्मा

जी की जयंती पर सादर नमन।

जन्म-26 मार्च 1907 - मृत्यु -11 सितंबर 1987

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
हिंदी साहित्य के लेखक, निबंधकार ,
भारतीय चिंतक एवं विद्वान
आचार्य कुबेरनाथ राय
जी के जयंती पर सादर नमन।
जन्म- 26 मार्च 1933 - मृत्यु- 5 जून 1996
www.teachersofbihar.org
Madhu priya